



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section

प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 170] नई दिल्ली, सोमवार, जून 4, 1979/ज्येष्ठ 14, 1901

No. 170] NEW DELHI, MONDAY, JUNE 4, 1979/JYAISTHA 14, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वृत्ती जाती हैं जिससे कि वह असग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation.

कृपय और सिंचाई भवाल

(खात्र विभाग)

नई दिल्ली, 4 जून, 1979

आदेश

सा. का. नं. 345 (अ).—आव. वस्तु/शर्करा.—केन्द्रीय सरकार, शर्करा (नियंत्रण)  
आदेश, 1968 के खण्ड 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है  
कि निवासि के हाथ प्राप्तिया द्वारा शर्करा का उत्पादन करने वाला कोई भी उत्पादक  
केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए लिखित निवेश के अधीन और उनके अनुसार ही  
शर्करा का विक्रय या विक्रय करने का करार या उसका अन्यथा व्यवन या परिवान या परिवान  
करने का करार करेगा या ऐसे कारखाने के, जिसमें उसका उत्पादन होता है, वंथ  
पर्याप्त गोदामों से शर्करा को हटाएगा, अन्यथा नहीं।

2. यह आदेश 5 जून, 1979 से प्रभावी होगा।

[सं. 1-28/29 एस. पी. वाइ. (डी 2)]

सी. एन. राघवन, संघीकृत प्रोफेसर

**MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION**

**(Department of Food)**

New Delhi, the 4th June, 1979

**ORDER**

**G.S.R. 345(E)/Ess. Com./Sugar.**—In exercise of the powers conferred by clause 4 of the Sugar (Control) Order, 1966, the Central Government hereby directs that no producer of sugar by vacuum pan process shall sell or agree to sell or otherwise dispose of or deliver or agree to deliver sugar or remove sugar from the bonded godowns of the factory in which it is produced, except under and in accordance with a direction issued in writing by the Central Government.

2 This Order shall come into force with effect from the 5th June, 1979.

[No. 1-28/79-SPY (D-II)]

C. N. RAGHAVAN, Lt. Secy.